www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

''स्वच्छता केवल एक कार्य नहीं, बल्कि यह एक विचारधारा है जो समाज को बदल सकती है।''

''जब हम अपने आस-पास स्वच्छता का ध्यान रखते हैं, तो हम अपने समाज के प्रति जिम्मेदारियों को निभाते हैं।

वर्ष-34 अंक-19 प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो 01-15 अक्टूबर 2024 पृष्ठ 08 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

कुंभ के लिए भारतीय रेल

की रूपरेखा तैयार, लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रयागराज-महाकुंभ 2025 की तैयारियों को लेकर रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी एवं उनकी टीम पूरी तरह से मुस्तैद है। लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे विशेष व्यवस्थाएं कर रही है । रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के साथ-साथ अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन भी सुनिश्चित किया जा रहा है। रेल मंत्री ने 29 सितंबर को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक हाई लेवल मीटिंग के बाद रेलवे की तैयारियों का पूरा खाका साझा किया।

रेलवे की महाकुंभ के लिए प्रमुख तैयारियां:

विशेष ट्रेनें: महाकुंभ के दौरान भारतीय रेलवे रिकॉर्ड संख्या में 992 स्पेशल ट्रेनों का संचालन करेगा। 2019 में कुंभ के समय 695 ट्रेनें चलाई गई थीं, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर 992 हो जाएगी। नियमित ट्रेनों की संख्या भी बढ़ाकर 6580 कर दी जाएगी, जो पहले 5000 थी।

प्रयागराज क्षेत्र से 140 ट्रेनें:

महाकुंभ के दौरान प्रयागराज से प्रतिदिन 140 ट्रेनें संचालित की जाएंगी। स्पेशल ट्रेनों के लिए 174 रैक (MEMU, DEMU सहित) तैयार किए गए हैं। इसके अलावा सर्कुलर ट्रेनों का मार्ग प्रयागराज-अयोध्या वाराणसी-प्रयागराज और प्रयागराज- वाराणसी अयोध्या -प्रयागराज रहेगा।

यात्री सुविधाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर:

यात्री सुविधाओं के लिए 495 करोड़ रुपये का निवेश: भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई नई सुविधाओं की शुरुआत की है। इसमें यात्री शेल्टर्स, सीसीटीवी कैमरे, जल आपूर्ति, शौचालयों की व्यवस्था, एक्जीक्यूटिव लाउंज, अस्पताल विस्तार, सर्कुलेटिंग एरिया में सुधार, और रेलवे परिसर में बाउंड्री निर्माण शामिल हैं।

टिकटिंग क्षमता में वृद्धि:

कुंभ के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को संभालने के लिए टिकटिंग कैपिसिटी को कई गुना बढ़ाया जा रहा है, जिससे यात्रियों को टिकट बुक करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इंफ्रास्ट्रक्चर विकास:

प्रयागराज और आसपास के इलाकों में रेलवे ट्रैक की डबलिंग के लिए 3700 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। वाराणसी-झूँसी सेक्शन की डबलिंग पूरी हो चुकी है, जबकि प्रयागराज जं.-प्रयागराज रामबाग-झूँसी और जंघई-फाफामऊ सेक्शन की डबलिंग नवंबर 2024 तक पूरी होगी। इसके अलावा, 440 करोड़ रुपये की लागत से ROB और RUB का निर्माण किया जा रहा है ताकि रेल और रोड यातायात की सुरक्षित और सुगम आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 21 नए ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज बनाए जा रहे हैं ताकि सड़क और रेलवे यातायात में किसी प्रकार की बाधा न आए। महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। बिजली आपूर्ति, पानी और साफ-सफाई की सुविधाओं को भी बेहतर किया जा रहा है। रेल मंत्री ने जानकारी दी कि महाकुंभ 2025 के दौरान भारतीय रेलवे की पूरी टीम मुस्तैदी से काम कर रही है ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिल सके। रेल समाचार ब्यूरो परिवार भी महाकुम्भ में योगदान देने के लिए भारतीय रेल के साथ खड़ा है और हम सब मिलकर महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के लिए एक सुगम यात्रा सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे

ट्रेन हादसों पर लगेगी लगाम !

10,000 इंजन होंगे कवच 4.0 से लैस- रवनीत सिंह बिट्टू

सूत्र/रे.स.ब्यू-भारतीय रेलवे ने पैसेंजर्स की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बड़ा कदम उठाया है। हाल ही में हुए ट्रेन हादसों को ध्यान में रखते हुए, रेलवे ने अपने 10,000 इंजनों में अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली कवच 4.0 को लगाने की तैयारी पूरी कर ली है। इस पहल का उद्देश्य ट्रेनों की सुरक्षा और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह ने बताया कि रेल मंत्रालय ने 16 जुलाई को कवच 4.0 प्रणाली को मंजूरी दी थी, और अब इसे तेजी से लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सबसे पहले इसे दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा रूट पर लगभग 3,000 किमी की दूरी पर लगाया जाएगा। इस वित्तीय वर्ष में इन दोनों महत्वपूर्ण रूटों पर कवच 4.0 का काम पूरा हो जाएगा। इसके बाद, बाकी खंडों पर भी काम के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। कवच 4.0 का पहला परीक्षण 16 सितंबर को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में सवाई माधोपुर से कोटा खंड के बीच 108 किमी के क्षेत्र में किया गया था, जो पूरी तरह सफल रहा। इसके बाद से कवच 4.0 को लागू करने का कार्य तेजी से जारी है। अब तक, कवच प्रणाली को दक्षिण मध्य रेलवे में 1,465 रूट किमी और 144 लोकोमोटिव पर तैनात किया जा चुका है। नॉर्दर्न रेलवे में इस तकनीक की स्थापना के लिए 1,790 आरकेएम कार्य स्वीकृत हैं। इसके अलावा, पंजाब में भी कवच के लिए 121 आरकेएम के कार्य को मंजूरी दी गई है, जिसमें चंडीगढ़-धुलकोट (33 आरकेएम) और फिरोजपुर- बठिंडा (88 आरकेएम) जैसे महत्वपूर्ण रूट शामिल हैं। कवच 4.0 से लैस इंजन न केवल ट्रेन हादसों की रोकथाम में कारगर होंगे, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के स्तर को भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएंगे। इस सुरक्षा प्रणाली के जरिए ट्रेनें अपने निर्धारित रास्ते पर सुरक्षित और बिना किसी तकनीकी त्रुटि के चल सकेंगी, जिससे रेल दुर्घटनाओं की संभावना को पूरी तरह खत्म किया जा सकेगा।

श्री अश्विनी वैष्णव ने किया गांधीनगर जयपुर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण, पुनर्विकास कार्यों पर दी सराहना

मंत्री जी ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे के 1100 से अधिक स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य तीव्र गति से हो रहा है, जो रेलवे में बड़ा परिवर्तन लाएगा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार, श्री अश्विनी वैष्णव ने 24 सितंबर 2024 को अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान गांधीनगर जयपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यो का निरीक्षण किया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार, मंत्री जी ने पुनर्विकास कार्यो की प्रगति देखकर संतोष व्यक्त किया और भारतीय रेलवे में पहली बार गठित 'रेल रक्षक दल' का भी अवलोकन किया। यह दल रेल दुर्घटनाओं के समय त्वरित कार्यवाही के लिए एनडीआरएफ द्वारा प्रशिक्षित आरपीएफ और यांत्रिक कर्मचारियों से मिलकर बना है। निरीक्षण के दौरान मंत्री जी ने स्टेशन पर कार्यरत महिला कर्मचारियों से बातचीत की, उनके साथ सेल्फी ली, और अन्य कर्मचारियों से भी उनके कार्यो की जानकारी प्राप्त की। प्रेस वार्ता में श्री वैष्णव ने गांधीनगर स्टेशन पर 72 . 48 मीटर के एयर कॉनकोर्स हेतु गर्डर लॉन्चिंग को भारतीय रेलवे में सिविल इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण बताया और उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अमिताभ व उनकी टीम को बधाई दी। इसके पश्चात श्री वैष्णव ने जयपुर-सवाई माधोपुर रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया और अधिकारियों को संरक्षा व यात्री सुविधाओं में सुधार के निर्देश दिए। सवाई माधोपुर पहुंचकर उन्होंने कवच 4.0 प्रणाली का ट्रायल रन भी सफलतापूर्वक पूरा किया।

महाप्रबंधक श्री चौधुरी हुए सेवानिवृत्तः उत्तर रेलवे द्वारा विदाई समारोह आयोजित।

सूत्र/उत्तर रेलवे- उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी 30 सितम्बर, 2024 को अपने पद से सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर उत्तर रेलवे मुख्यालय में एक विशेष विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष और उच्च अधिकारी उपस्थित रहे। श्री चौधुरी ने भारतीय रेल में अपने कार्यकाल के दौरान अपनी ईमानदारी, निष्ठा और बेदाग छवि के कारण एक अलग पहचान बनाई। उनके कुशल नेतृत्व और कार्यशैली के लिए वे हमेशा सराहे गए। सेवानिवृत्ति के इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके द्वारा किए गए योगदान की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक महोदय और अपर महाप्रबंधक महोदय ने उपस्थित सभी अधिकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह सम्मान समारोह श्री चौधुरी के प्रति विभाग का आभार प्रकट करने का एक प्रतीक है। श्री चौधुरी ने अपने विदाई संबोधन में रेलवे के साथ अपने सफर को याद किया और अपने सहयोगियों को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने भविष्य के लिए उत्तर रेलवे के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रेल समाचार ब्यूरो परिवार की तरफ से श्री चौधुरी जी को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत शुभकामनायें।

प्रयागराज जनपद के करछना व मेजा तहसील में अवैध अधिपत्य पर होगी विधिक कार्रवाई।

सूत्र/उत्तर मध्य रेलवे- उत्तर मध्य रेलवे द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी की महत्वाकांक्षी परियोजना पं. दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज तीसरी रेलवे लाइन कार्य किया जा रहा है जिसे 2025 में यातायात के लिए खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। परियोजना के निर्माण हेतु प्रयागराज जनपद में भूमि अधिग्रहण का कार्य अपने अंतिम दौर में है। परियोजना के संरेखण में लगभग 167 संरचनाओं को चिन्हित किया गया है जिनका भुगतान कास्तकारों को मिल चुका है, परन्तु अभी तक अधिपत्य हटाने में व्यवधान उत्पन्न किया जा रहा है जिस कारण परियोजना का कार्य प्रभावित हो रहा है। इस सम्बन्ध में रेलवे ने अतिक्रमण ध्वस्त करने से पहले की सभी विधिक तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। कास्तकारों को 21-09-2024 तक का समय दिया गया था, चूंकि नोटिस की समय सीमा समाप्त हो चुकी है अतः अब किसी भी समय रेलवे द्वारा नियमन अनुसार विधिक कार्रवाई की जा सकती है। रेलवे अधिकारियों ने बताया है कि अधिपत्य धारकों को अधिपत्य हटाने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था। ऐसे अवैध अधिपत्य धारकों को चिन्हित कर लिया गया है जिन्होंने भुगतान पाने के बावजूद अवैध अधिपत्य नहीं हटाया है। इस प्रक्रिया में आने वाले व्यय को अधिपत्य धारक से वसूला जाएगा। इसी क्रम में करछना व मेजा तहसील के तीसरी लाइन में आने वाले सभी अवैध अधिपत्यों पर सितम्बर माह के अंत तक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व रेलवे ने माननीय सांसदों के साथ आसनसोल और मालदा मंडल समिति की बैठक आयोजित की।

महाप्रबंधक श्री देऊस्कर ने सांसदों को उनके सुझावों पर विचार करने का आश्वासन दिया और सक्षम प्राधिकरण की मंजूरी पर कार्यान्वयन का आश्वासन दिया।

सूत्र/पूर्व रेलवे- पूर्व रेलवे ने 24 सितंबर 2024 को आसनसोल और मालदा मंडल नेटवर्क पर माननीय सांसदों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की। इस बैठक में पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर, प्रधान विभागाध्यक्ष, और आसनसोल और मालदा मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक उपस्थित थे। बैठक में मालदा और आसनसोल मंडल नेटवर्क के भीतर प्रमुख मुद्दों और विकास पहलों पर चर्चा की गई। उच्च स्तरीय बैठक में माननीय सांसद श्री शत्रुघ्न प्रसाद सिन्हा, श्री कीर्ति आजाद झा, श्री गिरिधारी यादव, डॉ. सरफराज अहमद, श्री खगेन मुर्मू, श्री अजय कुमार मंडल, श्री नलिन सोरेन, और श्री दुलु महतो उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त, पंचायती राज के केंद्रीय कैबिनेट मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह, माननीय सांसद श्रीमती शताब्दी रॉय, श्री खलिलुर रहमान, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, श्री अरुण भारती और श्री ईशा खान चौधरी के प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल हुए। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर ने सांसदों का स्वागत किया और श्री शत्रुघ्न प्रसाद सिन्हा को बैठक का अध्यक्ष चुना। डीआरएम/आसनसोल और डीआरएम/मालदा ने सांसदों को पिछले दो वर्षो में किए गए कार्यो की जानकारी दी, जिसमें स्टेशन-वार विकास कार्य, अमृत भारत स्टेशन योजना, लिफ्टों और एस्केलेटरों की स्थापना, और अन्य परियोजनाएं शामिल थीं। सांसदों ने विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की, जैसे गया-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का वाराणसी तक विस्तार, आसनसोल-पुरी वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत, और कई अन्य महत्वपूर्ण सुझाव। बैठक में सांसदों ने बुनियादी ढांचे में सुधार और बेहतर यात्री सुविधाओं पर अपने सुझाव साझा किए, जिन्हें पूर्व रेलवे ने तकनीकी और आर्थिक व्यवहार्यता विश्लेषण के लिए स्वीकार किया।

दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ के दौरान यात्रियों को मिलेगी कन्फर्म सीट!

पिछले वर्ष भी उत्तर मध्य रेलवे द्वारा बड़ी संख्या में त्योहार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया था और इन जोन से प्रारंभ होने वाली ट्रेनों ने कुल 189 फेरे लगाए थे, जिनके माध्यम से बड़ी संख्या में यात्रियों को आरामदायक यात्रा की सुविधा प्राप्त हुई थी। इस वर्ष यह पिछले वर्ष की तुलना में 335 फेरे अधिक है।

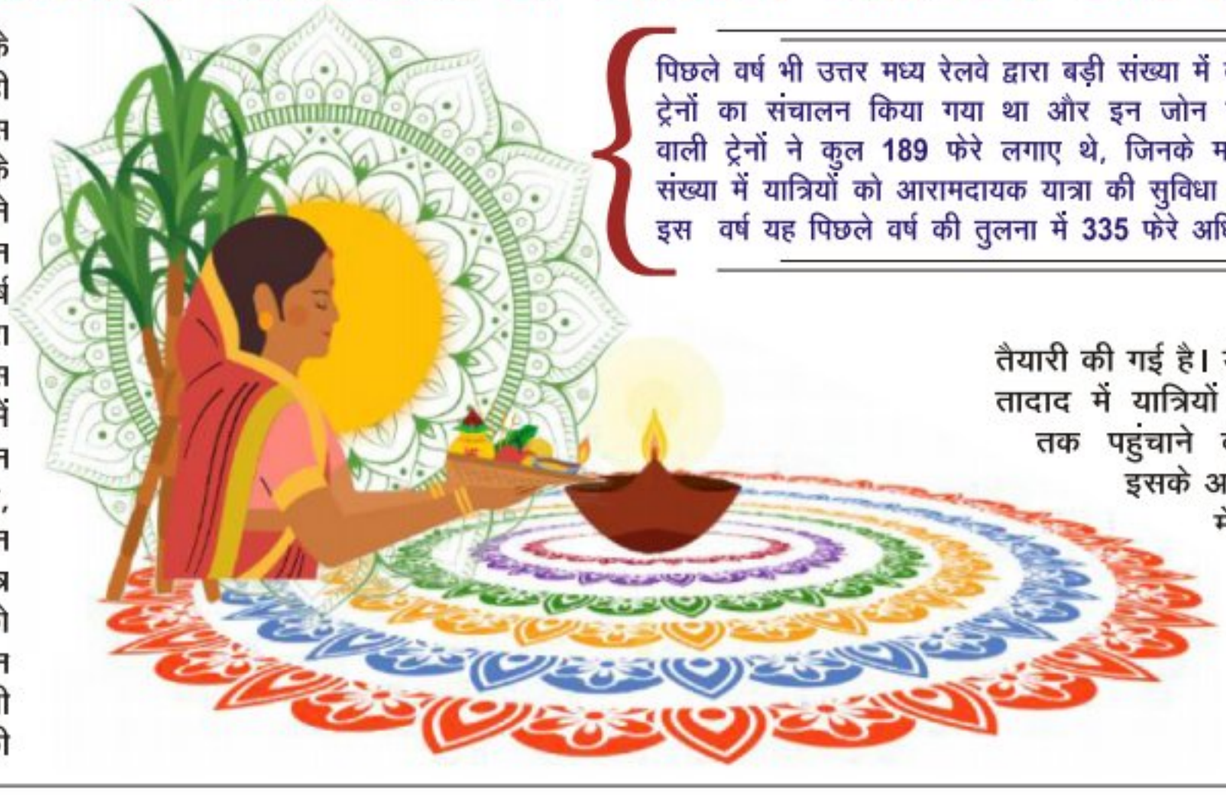

दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए उत्तर मध्य रेलवे द्वारा इस वर्ष 01 अक्टूबर से 30 नवंबर के मध्य 524 फेरे जोन से प्रारंभ होने वाली विशेष गाड़ियों का संचालन किया जाएगा। ज्ञात हो कि, प्रतिवर्ष त्योहारों के अवसर पर रेलवे द्वारा विशेष गाड़ियाँ चलाई जाती है। इस वर्ष इन स्पेशल ट्रेनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पर्वो के दौरान लाखों की संख्या में यात्री रेल से यात्र करते हैं। यात्रियों की भारी भीड़ को सुगम एवं सुविधाजनक यात्र प्रदान करने के लिए रेलवे द्वारा इस वर्ष भी विशेष ट्रेनों का संचालन करने की तैयारी की गई है। ये स्पेशल ट्रेनें बड़ी तादाद में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का काम करेंगी। इसके अतिरिक्त इस अवधि मे 2242 फेरे पासिंग ट्रेने भी जोन के परिक्षेत्र में पड़ने वाले स्टेशनों को सेवित करेंगी अर्थात उनकी सुविधा भी जोन के यात्रियों को मिल सकेगी। ज्ञात हो कि, प्रति वर्ष दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा के अवसर पर देश भर से बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश और बिहार की ओर प्रस्थान करते हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए ये त्योहार न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि परिवारों से मिलने का भी एक अहम अवसर होते हैं। प्रति वर्ष त्योहारों के दौरान यात्रियों की भीड़ की वजह से अधिकांश ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट हो जाती हैं। इसी को देखते हुए रेलवे द्वारा इस वर्ष त्योहारों के अवसर पर अतिरिक्त विशेष गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है।

दशहरा पर्व विशेषः
ज्ञान द्वारा अज्ञानता मिटाकर
विजयादशमी
पर्व मनाएँ

ईश्वर प्रेमियों के लिए दशहरा, दशमी या विजयादशमी आत्म चिंतन का पर्व है। यह पर्व हमें सोचने पर विवश करता है कि रावण को आज तक क्यों जलना पड़ रहा है और इसके विपरीत प्रभु भक्तों को आज भी पूजा जाता है। एक ओर सुग्रीव है जिसने प्रभु श्री राम के चरणों में शीश झुकाया और प्रभु का अनन्य भक्त बन गया। वहीं दूसरी ओर दसग्रीव है, तीनों लोकों पर विजय प्राप्त करने वाला प्रभु श्री राम का प्यारा नहीं बन पाया! यदि गहराई से देखा जाए तो एक ही कारण उभरकर सामने आता है और वह है 'ग्रीव' अर्थात गरदन। रावण के दस शीश हैं परन्तु 'सु' भाव सुंदर नहीं हैं। जबकि बाली के छोटे भाई सुग्रीव के पास एक ही शीश है परन्तु 'सु' भाव सुंदरता से सजी हुई है। सुंदरता का संबंध यहाँ बाह्य जगत से नहीं अपितु आध्यात्मिक जगत से है। जो शीश भक्ति के सागर में डूब जाए, प्रभु के चरणों में नतमस्तक हो जाए वही सुंदर है। परन्तु जो ग्रीवा अहंकार से अकड़ जाए और प्रभु चरणों में झुकने का गुण भूल जाए वह बदग्रीव ही कहलाती है। आखिर क्या अंतर था दोनों के दृष्टिकोण में कि एक को हर दशमी पर जलाया जाता है और एक की गणना आज भी प्रभु श्री राम के परम भक्तों में की जाती है? सुग्रीव के अंदर संतों के प्रति विश्वास और आदर भाव था। उसके अंदर एक विशेष गुण था। जब भी उसके जीवन में कोई उलझन आई तो उसके हल के लिए उसने तत्क्षण साधु की शरणागत ली। भगवान श्री राम और लक्ष्मण जी की ऋषिमुख पर्वत पर आगमन की सूचना मिलने पर सुग्रीव समझ नहीं पा रहा था कि यह दोनों सुंदर युवक बाली के भेजे हुए उसके दुश्मन हैं या फिर कोई कल्याणकारी मित्र? दुविधा कि इस घड़ी में उसने संत हनुमान जी की शरण ली। वहीं दूसरी ओर हनुमान जी जब रावण की सभा में पहुंचे तो उसने उनका अपमान किया। यही प्रमुख कारण था कि ब्राह्मण कुल में जन्म लेकर, महाऋषि का पुत्र होते हुए भी रावण राक्षस पद को ही प्राप्त हुआ। रावण की दृष्टि मलीन थी इसीलिए तो उसे एक महान संत में केवल साधारण वानर ही दिखायी दिया और उनका निरादर किया। सुग्रीव और दसग्रीव दोनों के ही मन शंकालु प्रव त्ति के थे। परन्तु दसग्रीव की प्रभु राम के प्रति शंका ने उसे उनका दुश्मन बना दिया। वहीं सुग्रीव ने भी प्रभु राम पर शंका की परन्तु अपनी शंका को सहज भाव से प्रभु चरणों में रखकर शंका का निवारण किया। उधर दसग्रीव ने ऐसे विचारों और व्यक्तियों का संग किया जो उसके शंकालु विचारों को और पुख्ता करते थे। मन भी दोनों का अहंकारी था परन्तु सुग्रीव के अहंकार की दीवार मिट्टी जैसी और दसग्रीव की चट्टान जैसी मजबूत थी। माया के भ्रमित करने पर सुग्रीव ने वैराग्य को अपने हृदयासन पर स्थान दिया। तो वहीं दसग्रीव ने वैराग्य को इंद्र द्वारा मरवाने की कोशिश की। दसग्रीव भगवान शिव को अपना इष्ट मानता था और सुग्रीव प्रभु श्री राम को। दोनों ही इष्ट प्रथम बार अपने साधकों के पास स्वयं चल कर गए। सुग्रीव ने इसे प्रभु की कृपा समझा और उसके पश्चात वह ही सदैव अपने इष्ट के पास चलकर गया। वहीं दसग्रीव की हठ के कारण भगवान शिव को स्वयं प्रतिदिन चल कर उसके पास आना पड़ता था। दसग्रीव को यह अहं था कि वह भगवान शिव का इतना बड़ा भक्त है कि स्वयं त्रिलोकीनाथ शिव को उससे पूजा करवाने के लिए प्रतिदिन लंका आना पड़ता है। भाव कि उसने भक्ति को भी अहंकार का साधन बना लिया था। रावण के अहंकार की अग्नि में उसकी लंका और सम्पूर्ण कुल जलकर राख हो गए। सिर्फ श्री राम ही नहीं उन्हें मानने वाला हर भक्त रावण को जला कर अज्ञानता पर ज्ञान की विजय के इस पर्व को सदियों से मनाता चला आ रहा है।

गाडी संख्या 12625, 20848 तथा ग्वालियर स्टेशन पर रेलवे मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में टिकट जांच अभियान

अनाधिकृत यात्रा करने वाले यात्रियों एवं अनाधिकृत सामान ले जाने वालों में मचा हड़कंप

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेलवे मजिस्ट्रेट झाँसी के नेतृत्व में बिना टिकट यात्रियों की रोकथाम हेतु दिनांक-27.09.2024 को गाडी संख्या 12625, 20848 तथा ग्वालियर स्टेशन पर विशेष रेलवे मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान में ट्रेनों में दिव्यांग कोच पेंट्री कार सहित सभी जगह जांच करायी गयी तथा बिना टिकट यात्रा, अनियमित यात्रा, बिना बुक लगेज, गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की गई । चेकिंग के दौरान ट्रेन में अनियमित यात्री इधर उधर छिपते नजर आए तथा स्टेशन पर अफरा तफरी का माहौल रहा। जांच के दौरान 35 अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों से रु.15265/- रेल राजस्व वसूल किया गया। जिसमे से 7 लोगों का कोर्ट में ट्रायल हुआ। उक्त जांच अभियान में रेल सुरक्षा बल साहित मुख्य टिकट निरीक्षक राजेश यादव, डी, के शर्मा, नरेन्द्र कौशिक, संजीव श्रीवास्तव, के पी आर्मो द्वारा अहम् योगदान प्रदान किया गया।

संपादकीय

"मन से रावण जो निकाले, राम उसके मन में है"

भारतीय रेल, जो करोड़ों लोगों को जोड़ने का काम करती है, केवल एक परिवहन प्रणाली नहीं है, बल्कि यह हमारे देश की एकता और प्रगति का प्रतीक है। लेकिन हाल के समय में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा रेलवे पटरियों को नुकसान पहुंचाने और यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डालने जैसी घटनाएं देखने को मिल रही हैं। ये कृत्य न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि समाज के प्रति नैतिक जिम्मेदारी की कमी को भी दर्शाते हैं। यह स्वार्थ, क्रोध और सामाजिक कल्याण की उपेक्षा का परिणाम हैं, जो रावण की तरह हमारे भीतर की नकारात्मकता को उजागर करते हैं विजयादशमी का पर्व हमें अच्छाई की बुराई पर जीत की सीख देता है। रावण केवल एक पौराणिक पात्र नहीं है, बल्कि हमारे भीतर के अहंकार, लालच और क्रोध का प्रतीक है। आज जो लोग रेलवे जैसी सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हैं, वे रावण की ही तरह इन नकारात्मक गुणों से प्रेरित होते हैं। लेकिन जब हम अपने भीतर के इन बुरे गुणों का त्याग करते हैं और राम के मार्ग पर चलते हैं, तब हम समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा सकते हैं। भारतीय रेल केवल एक सेवा नहीं, बल्कि एक सामूहिक धरोहर है। इसे नुकसान पहुंचाना न केवल संपत्ति का नुकसान है, बल्कि पूरे समाज की सुरक्षा और एकता को खतरे में डालने जैसा है। ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम अपने भीतर की नकारात्मक प्रव त्तियों को पहचानें और उन्हें दूर करें। यदि हर व्यक्ति अपने भीतर के रावण को निकाल दे और राम के आदर्शों जैसे सत्य, सेवा और जिम्मेदारी को अपनाए तो वह समाज का सकारात्मक हिस्सा बन सकता है। अंत में, वास्तविक विजय बाहर की नहीं, बल्कि भीतर की लड़ाई जीतने में है। जब हम व्यक्तिगत स्वार्थ और अहंकार से ऊपर उठकर समाज के कल्याण के लिए कार्य करेंगे, तभी हम एक सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण कर पाएंगे।

सोशल मीडिया पर स्वच्छता

आज के दौर में सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह हमारे आसपास एक आभासी दुनिया का निर्माण कर दिया है। जिस प्रकार शारीरिक और मानसिक स्वच्छता आवश्यक है, उसी प्रकार डिजिटल दुनिया, खासकर सोशल मीडिया की स्वच्छता भी महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया पर स्वच्छता से तात्पर्य है कि हम किस प्रकार इस प्लेटफार्म का उपयोग करते हैं, किस प्रकार की सामग्री साझा करते हैं, और किस प्रकार की सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हैं। सकारात्मक और सटीक जानकारी साझा करना आज बहुत ही महत्वपूर्ण है। सोशल मीडिया पर कई लोग गलत या भ्रामक जानकारी साझा करते हैं, जो समाज में भ्रम और तनाव पैदा कर सकती है। इस समस्या से बचने के लिए हमें सटीक और प्रमाणित जानकारी ही साझा करनी चाहिए। गलत सूचनाओं का प्रचार रोकने के लिए जिम्मेदारी से काम करना बेहद आवश्यक है। साइबरबुलिंग और अपमानजनक टिप्पणियों से बचाव आज अत्यन्त आवश्यक है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कई बार लोग अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हैं, जिससे दूसरों की भावनाएं आहत होती हैं। हमें इस तरह के व्यवहार से दूर रहना चाहिए और दूसरों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। किसी भी प्रकार की साइबरबुलिंग को रोकने और उसके खिलाफ आवाज उठाने के लिए हमें जागरूक और सतर्क रहना चाहिए। आभासी साफ-सफाई (डिजिटल क्लीनिंग) का ध्यान रखना चाहिए। सोशल मीडिया पर अनावश्यक फॉलोवर्स, स्पैम संदेश, और असंगत सामग्री से बचाव के लिए हमें नियमित रूप से अपने प्रोफाइल की जांच करनी चाहिए। सोशल मीडिया की डिजिटल सफाई करने से हमें न केवल अनावश्यक तनाव से मुक्ति मिलती है, बल्कि यह प्लेटफॉर्म्स को अधिक सुरक्षित और सुखद बनाता है। आचरण और भाषायी स्वच्छता नितांत आवश्यक है। सोशल मीडिया पर हमारे द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषा और आचरण का समाज पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। इसलिए हमें शालीन और मर्यादित भाषा का उपयोग करना चाहिए। स्वच्छ संवाद का प्रयोग न केवल हमारी छवि को सुधारता है, बल्कि अन्य लोगों को भी सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। समय का सही उपयोग करना चाहिए। सोशल मीडिया पर अत्यधिक समय बिताना मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए इसका उपयोग सोच-समझकर और सीमित समय के लिए करना चाहिए। सोशल मीडिया का स्वच्छ उपयोग तभी संभव है जब हम इसे एक स्वस्थ और संतुलित तरीके से इस्तेमाल करें। सोशल मीडिया एक शक्तिशाली माध्यम है जो आज समाज पर गहरा प्रभाव डाल रहा है। इसलिए इसकी स्वच्छता बनाए रखना हमारे और समाज दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। हमें डिजिटल जगत में भी सकारात्मकता, सटीकता और जिम्मेदारी का पालन करना चाहिए ताकि सोशल मीडिया का उपयोग एक स्वस्थ और जागरूक समाज बनाने में सहायक हो सके। सरकार प्रशासन द्वारा इसके अनुचित उपयोग रोकने के लिए नीति निर्धारण करने के साथ सर्विलांस के द्वारा अवांछनीय सामग्री पड़ोसने वाले के विरुद्ध कठोर दण्ड की व्यवस्था करनी चाहिए।

नरेन्द्र कुमार बचरी (तापा), अखगाँव, संदेश, भोजपुर (आरा) बिहार-802352

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिर्पोटर)
कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लांक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9621922592
फोन नं. 0532-2418040

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ?
इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

रेलवे में प्रारंभ हुआ स्वच्छता ही सेवा अभियान

रेल कर्मियों को दिलाई गई स्वच्छता की शपथ।

सूत्र/उत्तर रेलवे- रेलवे बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अध्यक्ष श्री सतीश कुमार ने नई दिल्ली स्थित रेल भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में रेल कर्मियों को स्वच्छता के प्रति संकल्पित रहने की शपथ दिलाते हुए 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' की शुरुआत की। इस वर्ष स्वच्छता ही सेवा अभियान की थीम 'स्वभाव स्वच्छता - संस्कार स्वच्छता' रखी गई है। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती पर 'स्वच्छ भारत दिवस' मनाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान श्री सतीश कुमार ने रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई कि वे अपने घरों, कार्यालयों, आस-पास, सोसाइटी और देश को स्वच्छ रखेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। सभी ने शपथ ली कि "महात्मा गांधी ने जिस स्वच्छ और विकसित भारत का सपना देखा था, हम उसकी सेवा के लिए गंदगी को दूर करेंगे। हम स्वच्छता के प्रति सजग रहेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करेंगे।" पिछले वर्ष, 'स्वच्छता ही सेवा'-2023 अभियान में रेलवे ने 6,823 स्टेशनों पर 70,000 मानव-घंटे श्रमदान के साथ 2.5 लाख लोगों को शामिल किया था। इस वर्ष, 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान की थीम "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" सामूहिक कार्रवाई और नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करेगी। यह अभियान सभी नागरिकों और हितधारकों को स्वच्छता प्रयासों में सक्रिय भागीदारी का अवसर प्रदान करेगा।

स्वच्छता पखवाड़ाः भारतीय रेल के हर जोन में हो रहा है उत्सव

भारतीय रेल के हर जोन में स्वच्छता पखवाड़ा धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर अधिकारी और कर्मचारी मिलकर स्वच्छता अभियानों में भाग ले रहे हैं। रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और अन्य स्थानों की सफाई का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण से स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। देखिए कुछ झलकियाँ इस पखवाड़े की।

दक्षिण पूर्व रेलवे (SER) के महाप्रबंधक और अतिरिक्त महाप्रबंधक ने गार्डन रीच में स्वच्छता रैली में भाग लिया। इस रैली में रेलवे के अन्य अधिकारी और स्टाफ भी शामिल हुए। रैली का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना और रेलवे स्टेशनों को साफ-सुथरा रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाना था। सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता के महत्व को समझाते हुए नारे लगाकर एकजुटता का प्रदर्शन किया।

स्वच्छता ही सेवा 2024 के अंतर्गत, दक्षिण-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक, श्री अरविंद श्रीवास्तव ने गदग रोड पर स्थित नॉर्थ इंस्टीट्यूट में साइक्लोथ न कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। महाप्रबंधक ने इस पहल को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी कर्मचारियों और नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कार्यक्रम में कई साइकिल चालक और स्थानीय लोग शामिल हुए।

श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, एन.एफ. रेलवे ने 10 सितंबर को स्वच्छता ही सेवा 2024 के अवसर पर अधिकारियों के परिवारों के साथ मिलकर मालीगांव ऑफिसर्स कॉलोनी से रेलवे स्टेडियम तक वाकाथन में भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य स्वच्छता और जागरूकता फैलाना था। महाप्रबंधक ने इस पहल के महत्व पर जोर देते हुए सभी को स्वच्छता के प्रति सजग रहने की अपील की।

पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक, श्री मिलिंद देवोस्कर ने 21 सितंबर 2024 को प्रिंसेप घाट स्टेशन परिसर में 'सफाई ही सेवा' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता को बढ़ावा देना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना है। श्री देवोस्कर ने इस अवसर पर स्टेशन परिसर की सफाई पर भी जोर दिया और सभी कर्मचारियों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

दक्षिण मध्य रेलवे (SCR) के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन ने स्वच्छता ही सेवा 2024 के अंतर्गत रेलवे खेल परिसर में स्वच्छता व काथन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने और वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हरे पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए पौधे लगाए। श्री जैन ने स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए सभी को स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

21 सितंबर को श्री धर्मवीर मीना, महाप्रबंधक, सेन्ट्रल रेलवे ने वाडी बंदर पर वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ व क्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया। यह कार्यक्रम रुस्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत आयोजित किया गया, जिसमें एक स्वच्छ और हरा-भरा पर्यावरण बनाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराया गया। इस व क्षारोपण से न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायता मिलेगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ वातावरण भी सुनिश्चित होगा।

श्री आर. एन. सिंह, महाप्रबंधक, दक्षिणी रेलवे ने 17 सितंबर को ''स्वच्छता ही सेवा'' पखवाड़े का उद्घाटन किया। उन्होंने दक्षिणी रेलवे मुख्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर स्काउट्स और गाइड्स द्वारा श्रमदान एवं स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सभी कर्मचारियों को इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

जी.एम (ECoR) ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए सफाई में सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने स्वच्छता के महत्व को उजागर करते हुए कहा, ''आओ, हम अपनी रेलवे और उसके आस-पास को स्वच्छ बनाए रखें।'' उनके नेतृत्व में कर्मचारियों ने रेलवे परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया, जिससे कार्यस्थल को साफ-सुथरा और स्वस्थ रखने के प्रति सभी का संकल्प दृढ़ हुआ।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र ने 17 सितंबर को प्रधान कार्यालय चर्चगेट में वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। यह अभियान 2 अक्टूबर तक चलेगा, जिसमें रेल परिसरों में स्वच्छता के कार्य किए जाएंगे। महाप्रबंधक ने सभी कर्मचारियों से स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया और स्वस्थ वातावरण के निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया। इस पहल से रेल परिसरों में साफ-सफाई को बढ़ावा मिलेगा।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत एक वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक सुश्री नीनु इटियेरा के नेतृत्व में अधिकारियों और कर्मचारियों ने मिलकर वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और वृक्षों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। सभी ने इस पहल में बढ़-चढ़कर भाग लिया और वृक्षारोपण को एक सफल प्रयास बनाने के लिए संकल्पित रहे। यह कार्यक्रम सामूहिक प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण है।

17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2024 तक चलने वाले 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने समस्त रेल कर्मियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे स्वच्छता को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और रेलवे परिसरों में साफ-सफाई बनाए रखें। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण करना है।

गोरखपुर जंक्शन पर 17 सितंबर, 2024 को स्वच्छता पखवाड़ा-2024 के अंतर्गत महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री डी. के. सिंह एवं अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारियों ने कबाड़ से बनाई गई कलाकृतियों का निरीक्षण किया और कर्मियों के प्रयासों की सराहना की। यह पहल रेलवे स्टेशन को स्वच्छ और हरित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री संतोष कुमार झा, CMD/KRCL ने श्री राजेश एम. भदांग, निदेशक (वित्त), कार्यकारी और स्टाफ के साथ मिलकर कोंकण रेल विहार, नरुल में वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया। इस अवसर पर श्री झा ने कहा कि यह अभियान एक स्वच्छ और हरे ग्रह की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है। सभी उपस्थित कर्मचारियों ने मिलकर विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया।

दिनांक 28 सितंबर को स्वच्छता ही सेवा 2024 के अंतर्गत जबलपुर मंडल के स्काउट गाइड के सदस्यों द्वारा महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की गरिमामय उपस्थिति में स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए शानदार नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई।

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, श्री उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने 17 सितंबर 2024 को "स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता" नारे के साथ स्वच्छता पखवाड़े का शुभारंभ किया। यह पखवाड़ा 2 अक्टूबर 2024 तक चलेगा। कार्यक्रम के तहत साइकिल रैली, पौधारोपण और शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वच्छता को जीवन का हिस्सा बनाना है। सभी कर्मचारियों ने इसमें सक्रिय भागीदारी दिखाई।

महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। 02 अक्टूबर तक चलने वाले 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' थीम पर आधारित स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सभी को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराना है। महाप्रबंधक ने सभी कर्मचारियों से इस मुहिम में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने 9 वें आयुर्वेद दिवस के विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आयुष मंत्रालय की पहल के अनुरूप है।

एआईआईए की निदेशक डॉ. तनुजा नेसारी ने मीडिया को 9 वें आयुर्वेद दिवस को समावेशी तरीके से मनाने के लिए एआईआईए द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में जानकारी दी, ताकि भारत के साथ-साथ पूरे विश्व को आयुर्वेद का लाभ मिल सके। आयुर्वेद दिवस हर साल धनवंतरी जयंती के शुभ अवसर पर मनाया जाता है, जिसे धनतेरस के नाम से भी जाना जाता है। वर्ष 2016 से 'आयुर्वेद दिवस' को सम्पूर्ण सरकार दृष्टिकोण के साथ प्रतिवर्ष मनाया जाता है। यह उत्सव आयुर्वेद को भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और भारत की समग्र स्वास्थ्य सेवा संस्कृति के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में योजनाबद्ध गतिविधियों और पहलों की झलक पेश की गई। आयुर्वेद दिवस कार्यक्रम में आयुर्वेद और समग्र स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से कुछ महत्वपूर्ण पहलों को प्रदर्शित किया जाएगा। आयुर्वेद दिवस 29 अक्टूबर, 2024 को अंतिम आयुर्वेद दिवस समारोह के साथ समाप्त होगा। इस दौरान पूरे देश में आयुर्वेद दिवस से जुड़ी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। आयुष मंत्रालय की देखरेख में जन जागरूकता अभियान से लेकर जुड़ाव गतिविधियाँ और कई प्रचार गतिविधियाँ चलाई जाएँगी। सभी के लिए स्वास्थ्य देखभाल परिणामों में सुधार लाने के प्रयास में, भारत सरकार 9वें आयुर्वेद दिवस के आयोजन के साथ आयुर्वेद को मुख्यधारा में लाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और इसकी विश्वव्यापी पहुंच का विस्तार करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि कर रही है।

"स्वच्छता ही सेवा केवल एक अभियान नहीं बल्कि एक सामूहिक जिम्मेदारी है": केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने **27** सितंबर को मंत्रालय के परिसर का निरीक्षण किया और स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान के तहत विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह पहल स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति मंत्रालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, जो सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक मुख्य प्राथमिकता है। इस अवसर पर, श्री प्रतापराव जाधव ने कहा, "स्वच्छता ही सेवा अभियान में भाग लेकर मंत्रालय की व्यक्तिगत रूप से सफाई करना मेरे लिए एक विनम्र और लाभकारी अनुभव था। इससे यह विश्वास मजबूत हुआ कि सच्चा नेतृत्व वही है जो आगे आकर मिसाल पेश करे। स्वच्छता ही सेवा केवल एक अभियान नहीं है, बल्कि एक सामूहिक जिम्मेदारी है। हर छोटा प्रयास मायने रखता है और साथ मिलकर हम एक स्वच्छ, स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकते हैं।" आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय अभियान के क्रम में कुल 545 कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिससे व्यापक जन सहभागिता सुनिश्चित हुई है। अभियान की अब तक की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

- स्वच्छता में जन भागीदारी: 255 कार्यक्रमों में आम जनता की सक्रिय भागीदारी रही।
- सीटीयू (स्वच्छता और साफ-सफाई इकाइयां): विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए कुल 102 इकाइयां आयोजित की गई।
- सफाई मित्र शिविर: सफाई मित्रों (सफाई कर्मचारियों) के प्रयासों को समर्थन और मान्यता देने के लिए 188 शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किए जा रहे हैं।

मंत्रालय स्वच्छता ही सेवा अभियान के अलावा, विशेष अभियान 4.0 में भी सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है, जिसका उद्देश्य मंत्रालय के भीतर स्वच्छता और समग्र दक्षता में सुधार लाने के लिए कई तरह की गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करना है। 27 सितंबर, 2024 तक हासिल लक्ष्यों में शामिल हैं:

1. स्वच्छता अभियान चलाए गए: 50
2. जन शिकायतों का निपटारा: 43
3. रिकॉर्ड प्रबंधन गतिविधियां पूरी की गई: 1473

आज के कार्यक्रमों में मंत्री की भागीदारी से स्वच्छता ही सेवा पहल के तहत सुव्यवस्थित कार्यक्रमों की श्रृंखला के माध्यम से स्वच्छता बनाए रखने और जन सहभागिता को बढ़ावा देने की मंत्रालय की प्रतिबद्धता का पता चलता है। आयुष मंत्रालय स्वच्छता प्रयासों को बनाए रखने और सहयोगात्मक और भागीदारी पूर्ण उपायों के माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन के व्यापक उद्देश्यों में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

आयुष चिकित्सा मूल्य यात्रा शिखर सम्मेलन 2024: 'आयुष में वैश्विक तालमेल' थीम के साथ मुंबई में हुआ भव्य उद्घाटन

मुंबई, 20 सितंबर 2024 भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित आयुष चिकित्सा मूल्य यात्रा शिखर सम्मेलन 2024 का उद्घाटन आयुष मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने किया। इस शिखर सम्मेलन का मुख्य विषय ''आयुष में वैश्विक तालमेलः चिकित्सा मूल्य यात्रा के माध्यम से स्वास्थ्य और कल्याण में परिवर्तन'' था। इस आयोजन में पर्यटन मंत्रालय, महाराष्ट्र सरकार और कई प्रमुख साझेदारों का सहयोग शामिल था। श्री प्रतापराव जाधव ने कहा, ''आयुष साक्ष्य-आधारित उपचारों के साथ मधुमेह और यकृत रोगों जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से निपट रहा है, जिसका लक्ष्य सभी के लिए पहुंच है। हम सरकार से सभी कर्मचारियों के लिए मुफ्त आयुष उपचार प्रदान करने का आग्रह करते हैं और ब्लॉक और तहसील स्तर पर किफायती आयुष केंद्र स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''9 अक्टूबर को हम स्वास्थ्य देखभाल में पारंपरिक प्रथाओं को एकीकृत करने के लिए अपने पहले आयुष जन औषधि केंद्र का उद्घाटन करेंगे। राष्ट्रव्यापी 'महिला स्वास्थ्य जांच' पहल आयुर्वेद के माध्यम से स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देगी। मुंबई में पहला मेडिकल वैल्यू ट्रैवल समिट 2024 होगा इसके बाद आयुर्वेद दिवस के अवसर पर 'देश का प्रोंतिक परीक्षण - घर-घर तक आयुर्वेद' के साथ एक करोड़ घरों को लक्षित करते हुए, भुवनेश्वर में कार्यक्रम और दिल्ली में एक भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सचिव, वैद्य राजेश कोटेचा ने अपनी मुख्य प्रस्तुति में कहा, ''आयुष की वैश्विक पहुंच में काफी विस्तार हुआ है, निर्यात में पर्याप्त वृद्धि देखी गई है। क्षेत्र का आकार नाटकीय रूप से बढ़ गया है। मैं चाहूंगा आपको बता दें कि विकास अर्थशास्त्र में अनुसंधान के लिए समर्पित विदेश मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान आरआईईएस (सूचना प्रणाली में अनुसंधान) ने फोरम फॉर इंडियन ट्रेडिशनल मेडिसिन (एफआईटीएम) पर एक अध्ययन किया है। आयुष क्षेत्र वर्ष 2014 में 3 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2020 में 18-1 मिलियन डॉलर हो गया है। इसमें छह वर्षों के भीतर छह गुना की वृद्धि हुई। इसके अलावा, 2023 के अनुमान के अनुसार यह आकार 24 मिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा, जो 2014 के बाद से लगभग आठ गुना वृद्धि दर्शाता है। ''भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सलाहकार (आयु) श्री डॉ. मनोज नेसारी ने आयुष चिकित्सा मूल्य और कल्याण यात्रा शिखर सम्मेलन में 650 प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा, "आयुष मंत्रालय ने भारतीय पर्यटन विकास निगम के सहयोग से, आयुष और चिकित्सा मूल्य यात्रा को बढ़ाने के लिए पर्यटन मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। आयुर्वेदिक कल्याण यात्रा और महत्व के प्राचीन स्थलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकारों को अपने पर्यटन विभागों के साथ सहयोग करना चाहिए। जैसे-जैसे आयुष उपचार चाहने वाले विदेशी यात्रियों की संख्या बढ़ रही है, सभी हितधारकों-टूर ऑपरेटरों, बीमा प्रदाताओं और आतिथ्य नेताओं-के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे एकजुट हों और इस आवश्यक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकारी पहल का लाभ उठाएं। राज्य के आयुष विभागों को आयुर्वेद और योग के पुरातात्विक स्थलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य के स्वास्थ्य विभागों के साथ सहयोग करना चाहिए, जिससे आयुष आधारित चिकित्सा पर्यटन को बढ़ाया जा सके। अखिल भारतीय आयुर्वेदिक कांग्रेस के अध्यक्ष, पद्म श्री और पद्म भूषण पुरस्कार विजेता वैद्य श्री देवेन्द्र त्रिगुणा ने आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता के बारे में बात की। उनके समर्पण के कारण केंद्रीय भारतीय चिकित्सा परिषद (सीसीआईएम), अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान और राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ सहित कई संस्थानों की स्थापना हुई। वैद्य त्रिगुणा के प्रयासों ने आयुर्वेद की पहुंच को काफी हद तक बढ़ाया है, जिससे दुनिया भर के 80 से अधिक देशों पर प्रभाव पड़ा है और उन्हें आयुष क्षेत्र के लिए एक पथप्रदर्शक के रूप में स्थापित किया गया है। आयुष चिकित्सा मूल्य यात्रा शिखर सम्मेलन 2024, जिसका विषय 'आयुष में वैश्विक तालमेलः चिकित्सा मूल्य यात्रा के माध्यम से स्वास्थ्य और कल्याण को बदलना' है, भारत को आयुष प्रणालियों पर आधारित समग्र स्वास्थ्य देखभाल के लिए प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा पर्यटन मंत्रालय, महाराष्ट्र सरकार और मुंबई के प्रमुख भागीदारों के सहयोग से आयोजित किया जाता है। आयुष मेडिकल वैल्यू ट्रैवल समिट 2024 का उद्देश्य पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणालियों - आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) - को आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों के साथ एकीकृत करके मेडिकल वैल्यू ट्रैवल (एमवीटी) में भारत की स्थिति को मजबूत करना है। अन्य विशिष्ट अतिथियों में महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश और राजस्थान सरकारों के स्वास्थ्य, आयुष और पर्यटन अधिकारी शामिल थे।

घटना के मुख्य आकर्षणः

उद्घाटन शिखर सम्मेलन में भारत में विदेशी मिशनों के साथ एक बातचीत सत्र आयोजित किया गया, जिसमें मेडिकल वैल्यू ट्रैवल को बढ़ावा देने और आयुष सेवा प्रदाताओं को सशक्त बनाने के लिए सरकारी पहल और नीतियों पर उच्च स्तरीय चर्चा हुई। केंद्र और राज्य सरकारों की प्रस्तुतियों और भारत में विदेशी मिशनों के साथ एक बातचीत के सत्र में नियामक ढांचे, बीमा कवरेज और अंतरराष्ट्रीय रोगी सेवाओं का पता लगाया गया। वक्ताओं में भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के सलाहकार (आयु) डॉ. मनोज नेसारी और महाराष्ट्र सरकार के चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान निदेशालय के आयुक्त डॉ. राजीव डी. निवतकर शामिल थे।

सत्र II: सफलता की कहानियां और आयुष और चिकित्सा मूल्य यात्रा में बढ़ते अवसरः अंतरराष्ट्रीय रोगियों को आकर्षित करने वाले प्रमुख कल्याण केंद्रों और अस्पतालों से अंतदृष्टि। वक्ताओं में श्री जॉय कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ), आत्मानीम नेचर क्योर, गुजरातय श्री निखिल कपूर, आत्मानतन वेलनेस सेंटर, पुणे के सह-संस्थापकय और सुश्री नताली ग्रांट नंदा, रूबी हॉल क्लिनिक, पुणे की निदेशक।

पैनल चर्चाएँ: आयुष क्षेत्र के शीर्ष नेता, जिनमें माधवबाग वेलनेस, मुंबई के एमडी और संस्थापक डॉ. रोहित माधव साने और धन्वंतरि सुपर स्पेशलिटी आयुर्वेद के अध्यक्ष डॉ. सौरभ बी. दवे शामिल हैं, आयुष आधारित कल्याण सेवाओं में वैश्विक सहयोग के लिए चुनौतियों और अवसरों की खोज कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम में आयुष निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं की एक प्रदर्शनी भी प्रदर्शित की गई।

ग्रामीण भारत में, अरुणाचल प्रदेश (77 प्रतिशत) को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में आयुष के बारे में जागरूकता 87 प्रतिशत से 99 प्रतिशत तक है, जबकि शहरी भारत में, सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जागरूकता 86 प्रतिशत से अधिक है। पूरे भारत में आयुर्वेद, आयुष की सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली प्रणाली (86 प्रतिशत से अधिक) है। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने 1 अप्रैल, 2024 को नए दिशानिर्देश जारी किए, जिसमें स्वास्थ्य बीमा कंपनियों को अन्य उपचारों के बराबर आयुष उपचार की पेशकश करने की आवश्यकता है। अब तक लगभग 49 जीवन बीमा कंपनियां लगभग 69 पैकेज उपलब्ध करा रही हैं।

शिखर सम्मेलन ने आयुष-आधारित स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा मूल्य यात्रा के भविष्य पर चर्चा करने के लिए सरकारी अधिकारियों, कल्याण केंद्रों, चिकित्सा यात्रा सुविधा प्रदाताओं, बीमा कंपनियों और उद्योग के नेताओं सहित हितधारकों के लिए एक अनूठा मंच प्रदान किया। प्रतिभागियों ने नियामक प्रावधानों, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अवसरों और आयुष के वैश्विक विकास को आगे बढ़ाने वाली पहलों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

फिक्की, इन्वेस्ट इंडिया, आईटीडीसी, आयुषेक्सिल और एसईपीसी के समर्थन से, शिखर सम्मेलन में प्रमुख सरकारी पहलों, उद्योग अंतदृष्टि और चिकित्सा मूल्य यात्रा में सफल केस स्टडीज पर चर्चा हुई। मेडिकल टूरिज्म इंडेक्स में भारत विश्व स्तर पर 10वें स्थान पर है और इसके शीर्ष कल्याण पर्यटन स्थल एकीकृत और लागत प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल समाधान चाहने वाले अंतरराष्ट्रीय रोगियों को आकर्षित करने की देश की क्षमता को रेखांकित करते हैं।

Sh. V Somanna Meets Hon'ble Railway Minister Ashwini Vaishnaw to Discuss Karnataka's Railway Projects

Source/RSB- On September 29, Sh. V Somanna, Minister of State for Railways, called on Hon'ble Union Minister of Railways, Shri Ashwini Vaishnaw, at his residence in New Delhi. The two leaders held a productive discussion on the progress of key railway projects in Karnataka. During the meeting, Sh. Somanna expressed gratitude for Shri Vaishnaw's continued support in advancing the state's railway infrastructure. The conversation focused on accelerating critical projects aimed at improving connectivity and boosting economic development in Karnataka. Sh. Vaishnaw reaffirmed his commitment to providing all necessary resources for the timely completion of these initiatives. The discussion underscored the importance of modernizing the railway network in Karnataka, which plays a crucial role in the state's growth.

Sh. V Somanna Inspects Railway Coaching Depot Construction in Shivamogga

The new coaching depot is expected to significantly improve the maintenance and management of trains, facilitating smoother operations and better service for passengers.

Source/RSB- Sh. V Somanna, Minister of State for Railways (MOSR), inspected the ongoing construction of the "Railway Coaching Depot" near Kote Ganguru, Shivamogga Taluk, on 26th September 2024. The depot is being developed with state-of-the-art facilities and essential infrastructure to enhance railway services in the region. Hon'ble Members of Parliament, Members of Legislative Assembly, party leaders, and officials from the Railway Department accompanied Sh. Somanna during the inspection. They reviewed the progress and discussed various aspects of the depot's development, emphasizing the importance of timely completion. This project is seen as a key step in improving rail connectivity and boosting economic growth in Shivamogga and nearby areas.

IRCTC Signs MoU with Andhra Pradesh Tourism Development Corporation

Source/RSB- On September 27th, the Indian Railway Catering and Tourism Corporation (IRCTC) South Central Zone signed a Memorandum of Understanding (MoU) with the Andhra Pradesh Tourism Development Corporation (APTDC) in Vijayawada. The event was graced by the Honourable Chief Minister of Andhra Pradesh, Shri Nara Chandrababu Naidu, along with Hon'ble State Tourism Minister, Shri K. Durgesh, and other dignitaries from the State Government. This partnership aims to enhance tourism services across the state, providing better travel experiences for tourists. The collaboration will facilitate the development of integrated tourism packages, streamline booking processes, and promote various tourist destinations in Andhra Pradesh. By leveraging the strengths of both organizations, the MoU is expected to significantly boost the tourism sector in the state, attracting more visitors and promoting local culture and heritage. The initiative reflects a commitment to fostering economic growth through enhanced tourism infrastructure and services, benefiting both travelers and the local economy. This step forward is poised to make Andhra Pradesh a prominent tourist destination in India.

Railways to Collaborate with NIA and State Governments on Train Sabotage Prevention: MR

Source/RSB - Railway Minister Shri Ashwini Vaishnaw announced on 24th September, 2024, Tuesday that the Centre will collaborate with state police forces and the National Investigation Agency (NIA) to take strict action against those involved in alleged attempts to sabotage trains. Speaking to the media in Sawai Madhopur, Rajasthan, after inspecting a train equipped with the Kavach system, Vaishnaw emphasized the government's commitment to passenger safety.He addressed recent sabotage attempts, including the discovery of detonators on railway tracks in Madhya Pradesh and gas cylinders near tracks in Uttar Pradesh, stating, "Sabotage activities threaten passenger safety. We will take decisive action with the help of state police and the NIA to ensure such incidents are prevented.Mr. Vaishnaw also highlighted the importance of the Kavach system, an automated technology designed to prevent train collisions. "Kavach is a step forward in improving train safety, as it can automatically stop trains on the same track," he said. The minister noted that previous governments had delayed the implementation of such systems, which have been operational in Europe since the 1960s.He further informed that the Kavach 4.0 system would be initially implemented on the Delhi-Mumbai railway corridor, with plans to expand the system to 10,000 locomotives in the future. This, he added, reflects Prime Minister Narendra Modi's priority on railway security.

Union Finance Minister Smt. Nirmala Sitharaman chairs 2nd meeting to review Capital Expenditure (Capex) for Ministry of Railways, in New Delhi

Source/RSB- Union Minister for Finance and Corporate Affairs Smt. Nirmala Sitharaman chaired a review meeting on 17th September, 2024 in New Delhi on the Budgeted Capital Expenditure (Capex) of the Ministry of Railways (MoR).Railway officials updated the Union Finance Minister on the capital expenditure plans and progress for the current fiscal year 2024-25. Emphasizing the government's focus on providing 'ease of living' for citizens, Smt. Sitharaman urged MoR officials to prioritize capacity augmentation, safety, and commuter convenience. This includes the doubling and electrification of existing railway tracks and the laying of new railway lines. In a significant move toward improving logistics efficiency and reducing costs related to rail movement, the Interim Budget for 2024-25 provided for three Economic Railway Corridor Programmes identified under PM Gati Shakti, aimed at enabling multi-modal connectivity:

1. Energy, mineral, and cement corridors
2. Port connectivity corridors
3. High traffic density corridors

MoR officials reported that 434 railway projects have been identified under these three Economic Corridors, totaling 40,900 km, with a total investment plan of ₹11.16 lakh crore:

- Energy, Mineral, and Cement Corridor (192 projects)
- High Density Network Corridors (200 projects)
- Rail Sagar Projects (42 projects)

So far, 55 projects have been sanctioned under these corridors, covering a length of 5,723 km and an investment plan of ₹1.03 lakh crore. During the current year, 101 projects are set to be appraised under the Corridor programme. Smt. Sitharaman also urged officials to expedite the implementation of the Kavach system (India's indigenous Automatic Train Protection system). MoR officials informed her that Kavach-related works are currently progressing on over 3,000 route km along the Delhi-Howrah and Delhi-Mumbai sections, along with Kota–Sawai Madhopur Section.As of 16th September 2024, the 108 km stretch from Kota to Sawai Madhopur was successfully operationalized with Kavach Version 4.0, achieving a record pace of 54 km per. This included the operationalization of Train No. 05913 Kota–Jamuna Bridge Passenger and Train No. 05914 Agra–Kota Passenger. The Minister emphasized that the MoR should expedite the conversion of 40,000 normal rail bogies to Vande Bharat standards, as announced in the Interim Budget 2024-25, to enhance passenger safety, convenience, and comfort. She urged MoR officials to ensure that the Capex target for FY 2024-25 is achieved in a timely manner, maintaining the momentum gained in the first 100 days of this government.

SCAN QR

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
www.railsamacharbureauald.com

KEC International Secures ₹1,003 Crore Orders in Railways, Civil, and Cables Segments

Source/RSB- KEC International Ltd., a global infrastructure EPC major, has announced securing new orders worth Rs. 1,003 crores across the Railways, Civil, and Cables sectors. These orders highlight the company's expanding footprint in critical infrastructure projects in India and abroad. In the Railways segment, KEC has won a contract to install a Tunnel Ventilation System, which will significantly enhance railway safety and efficiency in India. In the Civil segment, the company has secured a project for civil and mechanical works at a steel plant, marking a key achievement in its industrial portfolio. In the Cables segment, KEC will supply various types of cables to both domestic and international clients, further strengthening its market

presence. *Mr. Vimal Kejriwal, MD & CEO of KEC International, stated, "Our Rail-way business has expanded into the emerging Tunnel Ventilation segment, and we are pleased to have gained a prestigious client in the Metals & Mining sector. With these wins, our year-to-date order intake exceeds Rs. 12,300 crores, showcasing over 60% growth compared to last year.*

Alstom Hands Over First Trainset to Delhi Metro Under 'Make in India' Initiative

Source/RSB- On 23rd September 2024, Alstom, a global leader in smart and sustainable mobility, successfully delivered the first metro trainset for the Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) Phase IV. These 100% locally manufactured Metropolis trains, built at Alstom's SriCity facility in Andhra Pradesh, are integrated with Grade of Automation (GOA) 4 driverless technology and designed for operational speeds of up to 85 kmph. The trainsets are part of a larger order placed in November 2022, which includes 52 trainsets for DMRC's expanding network, covering 64.67 km across three lines. The project aligns with India's 'Make in India' and 'Atmanirbhar Bharat' initiatives, showcasing local production capabilities. Dr. Vikas Kumar, Managing Director of DMRC, expressed his enthusiasm for the milestone, highlighting the benefits for passengers in terms of convenience and sustainability. Olivier Loison, Managing Director of Alstom India, underscored the significance of the partnership in driving Delhi's urban development and improving quality of life. With a project value of 312 million euros, Alstom will also maintain 13 trainsets for a period of 15 years, marking a significant shift in India's metro segment by outsourcing maintenance to an original equipment manufacturer (OEM).

"स्वच्छता से न केवल हमारा वातावरण साफ होता है, बल्कि यह हमारी सेहत को भी सुरक्षित रखता है।"

नवरात्रि मेले के शुभ अवसर पर मैहर स्टेशन पर रेलगाड़ियों का अस्थाई ठहराव

भारतीय रेल द्वारा श्रद्धालु/यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत **नवरात्रि मेले** के शुभ अवसर पर दिनांक **03.10.2024** से **17.10.2024** तक के लिए **मैहर स्टेशन** पर निम्नलिखित रेलगाड़ियों का 5 मिनट अस्थाई ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन से-स्टेशन तक	मैहर स्टेशन पर ठहराव का समय		यात्रा प्रारंभ की तिथि से ठहराव की अवधि
		आगमन	प्रस्थान	
11055	लोकमान्य तिलक (ट.)-गोरखपुर	03:15	03:20	02.10.24 से 16.10.24
11056	गोरखपुर-लोकमान्य तिलक (ट.)	20:45	20:50	04.10.24 से 16.10.24
11059	लोकमान्य तिलक (ट.)-छपरा	03:15	03:20	03.10.24 से 15.10.24
11060	छपरा-लोकमान्य तिलक (ट.)	20:45	20:50	03.10.24 से 17.10.24
12669	चेन्नई-छपरा	20:45	20:50	05.10.24 से 14.10.24
12670	छपरा-चेन्नई	07:40	07:45	02.10.24 से 16.10.24
19051	वलसाड-मुजफ्फरपुर	15:25	15:30	05.10.24 से 12.10.24
19052	मुजफ्फरपुर-वलसाड	12:00	12:05	07.10.24 से 14.10.24
11045	कोल्हापुर-धनबाद	17:30	17:35	04.10.24 से 11.10.24
11046	धनबाद-कोल्हापुर	22:35	22:40	07.10.24 से 14.10.24
15267	रक्सोल-लोकमान्य तिलक (ट.)	11:40	11:45	05.10.24 से 12.10.24
15268	लोकमान्य तिलक (ट.)-रक्सोल	10:50	10:55	07.10.24 से 14.10.24
18201	दुर्ग-नौतनवा	06:00	06:05	02.10.24 से 16.10.24
18202	नौतनवा-दुर्ग	02:00	02:05	04.10.24 से 13.10.24
11037	पुणे-गोरखपुर	11:00	11:05	03.10.24 से 10.10.24
11038	गोरखपुर-पुणे	04:25	04:30	05.10.24 से 12.10.24
17609	पटना-पूर्णा	17:25	17:30	05.10.24 से 12.10.24
17610	पूर्णा-पटना	10:50	10:55	03.10.24 से 10.10.24
22103	लोकमान्य तिलक (ट.)-अयोध्या कैंट	06:50	06:55	07.10.24 से 14.10.24
22104	अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक (ट.)	09:00	09:05	08.10.24 से 15.10.24
18609	रांची-लोकमान्य तिलक (ट.)	13:55	14:00	02.10.24 से 16.10.24
18610	लोकमान्य तिलक (ट.)-रांची	10:50	10:55	04.10.24 से 11.10.24
22971	बांद्रा (ट.)-पटना	15:25	15:30	07.10.24 से 14.10.24
22972	पटना-बांद्रा (ट.)	08:25	08:30	02.10.24 से 16.10.24
22131	पुणे-बनारस	11:00	11:05	07.10.24 से 14.10.24
22132	बनारस-पुणे	11:40	11:45	09.10.24 से 16.10.24
15647	लोकमान्य तिलक (ट.)-गुवाहाटी	00:55	01:00	04.10.24 से 11.10.24
15648	गुवाहाटी-लोकमान्य तिलक (ट.)	23:25	23:30	08.10.24 से 15.10.24
19045	सूरत-छपरा	02:30	02:35	02.10.24 से 16.10.24
19046	छपरा-सूरत	22:50	22:55	04.10.24 से 16.10.24

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1714/24 FA